विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी वर्ग -चतुर्थ, विषय हिंदी

दिनांक-18-08—2021 एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

पाठ -9 तोताराम

सुप्रभात बच्चों,

दिए ,गए अध्ययन -सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

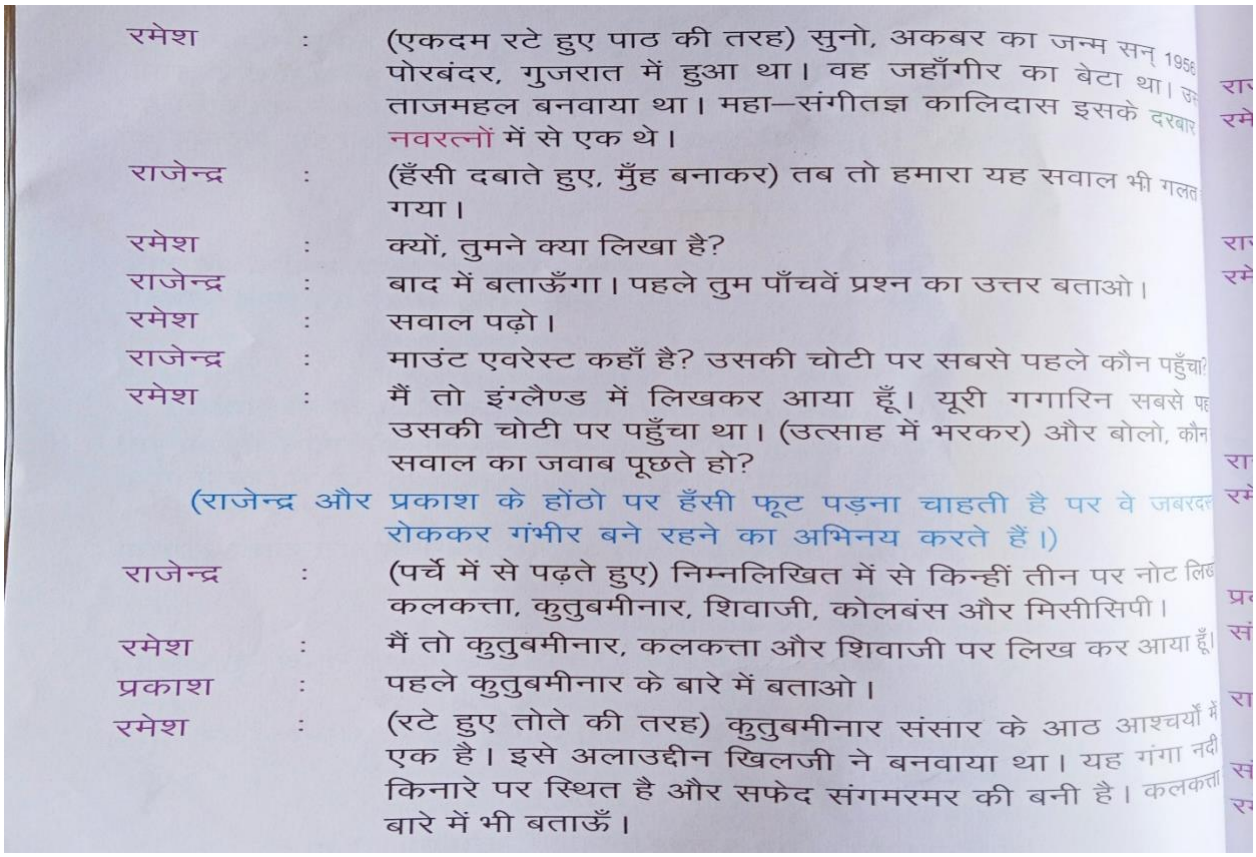

रमेश : (एकदम रटे हुए पाठ की तरह) सुनो, अकबर का जन्म सन् 1956 पोरबंदर, गुजरात में हुआ था। वह जहाँगीर का बेटा था। उ ताजमहल बनवाया था। महा—संगीतज्ञ कालिदास इसके दरबार नवरत्नों में से एक थे।

राजेन्द्र : (हँसी दबाते हुए, मुँह बनाकर) तब तो हमारा यह सवाल भी गलत गया।

रमेश : क्यों, तुमने क्या लिखा है?

राजेन्द्र : बाद में बताऊँगा। पहले तुम पाँचवें प्रश्न का उत्तर बताओ।

रमेश : सवाल पढ़ो।

राजेन्द्र : माउंट एवरेस्ट कहाँ है? उसकी चोटी पर सबसे पहले कौन पहुँचा?

रमेश : मैं तो इंग्लैण्ड में लिखकर आया हूँ। यूरी गगारिन सबसे पह उसकी चोटी पर पहुँचा था। (उत्साह में भरकर) और बोलो, कौन सवाल का जवाब पूछते हो?

(राजेन्द्र और प्रकाश के होंठो पर हँसी फूट पड़ना चाहती है पर वे जबरदस रोककर गंभीर बने रहने का अभिनय करते हैं।)

राजेन्द्र : (पर्चे में से पढ़ते हुए) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर नोट लिख कलकत्ता, कुतुबमीनार, शिवाजी, कोलबंस और मिसीसिपी।

रमेश : मैं तो कुतुबमीनार, कलकत्ता और शिवाजी पर लिख कर आया हूँ।

प्रकाश : पहले कुतुबमीनार के बारे में बताओ।

रमेश : (रटे हुए तोते की तरह) कुतुबमीनार संसार के आठ आश्चर्यों में एक है। इसे अलाउद्दीन खिलजी ने बनवाया था। यह गंगा नदी किनारे पर स्थित है और सफेद संगमरमर की बनी है। कलकत्ता बारे में भी बताऊँ।

: हाँ, बताओ।

: कलकत्ता भारत की राजधानी है। यह दुनिया का सबसे बड़ा नगर है। यहाँ तीन प्रकार की रेलें चलती हैं। एक धरती के नीचे, दूसरी धरती पर और तीसरी आसमान में। यहाँ दुनिया में सबसे अधिक वर्षा होती है।

: शिवाजी पर क्या लिखकर आए हो?

: और शिवाजी को हिंदू कुल–भूषण कहा जाता है। वह जीवन–भर अपनी मातृभूमि मेवाड़ की स्वाधीनता के लिए शत्रु से जूझते रहे। चेतक इनके प्यारे घोड़े का नाम था। पानीपत के मैदान में बादशाह बाबर से इनकी भयंकर लड़ाई हुई थी। भामाशाह इन्हीं के समय में हुए थे। शिवाजी ने धन देकर उनकी बहुत सहायता की थी। अब तुम भी बताओ, तुम क्या लिखकर आए हो?

: (बनते हुए) रहने दो, तुम सुनकर हँसी उड़ाओगे।

: नहीं, हँसी नहीं उड़ाऊँगा, चाहे कसम ले लो। अब तो बताओ।

(तभी तीन चार लड़के और आते हैं इनके हाथ में भी एक–एक पेपर और स्याही की दवाते हैं।)

: लो, संजय भी आ गया।

: (दूर से ही जोर से) अरे भाई, तोताराम का क्यों 'घेराव' किया हुआ है?

: यार, हम तो उनसे अपने उत्तर मिला रहे हैं। आओ तुम भी मिला लो।

(बाईं आँख दबाकर इशारा करता है।)

: क्यों तोताराम जी, तुमने आखिरी सवाल का जवाब लिखा है?

: (अकड़ते हुए) सवाल बोलो क्या है?